सांध्य दैनिक 4PM

इस दुनिया में सम्मान से जीने का सबसे महान तरीका है कि हम वो बनें जो हम होने का दिखावा करते हैं।
-सुकरात

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 290 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 1 दिसम्बर, 2022

चुनावी राज्य में मोदी से पहले पहुंच... 8 | 2017 में दक्षिण और मध्य गुजरात... 3 | प्रियंका गांधी तय करेंगी हिमाचल... 7

जितना कीचड़ उछालोगे उतना ही कमल खिलेगा : पीएम

गुजरात में रोड शो में गरजे मोदी, 'रावण' वाले बयान पर किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुजरात। पीएम नरेंद्र मोदी गुरुवार को अहमदाबाद पहुंचे जहां पर 12 से अधिक सीटों पर 30 किलोमीटर लंबा रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने विरोधियों पर जमकर निशाना साधा। कहा, जितना कीचड़ उछालोगे उतना ही कमल खिलेगा। मोदी गुजरात के कलोल में चुनाव प्रचार करने पहुंचे, जहां उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के रावण वाले बयान पर भी पलटवार किया। बयान को गुजरात की अस्मिता से जोड़ते हुए इसे पूरे राज्य का अपमान बताया। कहा कि कांग्रेस रामभक्तों का सम्मान नहीं करती। न ही राम के अस्तित्व को मानती है। न ही कांग्रेस अयोध्या में राममंदिर के पक्ष में थी।

पीएम मोदी ने कहा, मैं कांग्रेस के नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का सम्मान करता हूं। लेकिन वे मुझे 100 सिर वाला रावण बता रहे हैं। कांग्रेस पार्टी नहीं जानती कि ये रामभक्तों का गुजरात है। हम सभी को पता है कि कांग्रेस न राम भक्त पर विश्वास करती है, न ही राम के अस्तित्व को मानती है। कांग्रेस रामसेतू पर भी विश्वास नहीं करती।

कांग्रेस नेताओं को गाली देने के बाद भी पछतावा नहीं : पीएम

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आज मुझे गाली दे रही है। मुझे इसमें कोई आश्चर्य नहीं है। लेकिन मैं ये सोचकर परेशान हूं, कांग्रेस के पदाधिकारी इसके बाद भी पछतावा नहीं करते कि चलो गुस्से में बोल गए होंगे। पीएम ने कहा, कांग्रेस में एक परिवार को खुश करना फैशन बन गया है। दरअसल, इससे पहले सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुजरात में प्रचार के दौरान बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए रावण तक का जिक्र किया था। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, पीएम मोदी हर वक्त अपनी बात करते हैं। हर मुद्दे पर कहते हैं कि मोदी की सूरत को देखकर वोट दें। खरगे ने सवाल किया, तुम्हारी सूरत कितनी बार देखें। पार्षद चुनाव में तुम्हारी सूरत देखें, एमएलए चुनाव (विधानसभा) में भी तुम्हारी सूरत देखें, एमपी चुनाव (लोकसभा) में भी तुम्हारी सूरत देखें। हर जगह आपका ही चेहरा देखें, कितने चेहरे हैं आपके, क्या आपके रावण की तरह 100 मुख हैं क्या?

पीएम मोदी ने किया पलटवार

पीएम मोदी ने कहा, मैं गुजरात का बेटा हूं, आपने मुझे जो गुण दिए हैं, उस गुण के साथ मैं काम कर रहा हूं। जो शक्ति और गुण मुझे गुजरात ने दिया है वो कांग्रेस को खटकता है। जिस मोदी को आपने गढ़ा है, उसका अपमान आपका अपमान है या नहीं? पीएम ने कहा कि कांग्रेस के दोस्तों कान खोल कर सुन लें, आपको लोकतंत्र में आस्था या अविश्वास आपका विषय है, आपको एक परिवार के लिए जीना हो तो आपकी मर्जी है। लेकिन एक बात लिख लीजिए, जितना कीचड़ उछालोगे उतना ही कमल खिलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं में मुझे गाली देने की प्रतिस्पर्धा चल रही है। पीएम मोदी ने कहा, कोई रावण कह रहा, कोई राक्षस कह रहा, गुजरात के लोगों के प्रति इतनी नफरत, इतना अपमान।

19 जिलों में 788 उम्मीदवार मैदान में हैं

गुजरात चुनाव में पहले चरण का मतदान

गुजरात विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान जारी है। राज्य की 89 विधानसभा सीटों पर गुरुवार सुबह 8 बजे वोटिंग शुरू हो गई थी। पहले घंटे में लगभग पांच फीसदी मतदान दर्ज किया जा चुका था, जबकि एक बजे तक 34.48 फीसदी वोट पड़ चुके है। कई पोलिंग बूथ पर सुबह से ही मतदाताओं की लाइन लगनी शुरू हो गई थी। अभी भी पोलिंग बूथ के बाहर लोग अपनी-अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। गुजरात के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, पहले चरण में दक्षिण गुजरात और कच्छ-सौराष्ट्र क्षेत्र के 19 जिलों में 788 उम्मीदवार मैदान में हैं। इन उम्मीदवारों में से 70 महिलाएं और 339 निर्दलीय हैं। 89 सीटों में से 14 अनुसूचित जनजाति और सात दलितों के लिए आरक्षित हैं।

इन दिग्गजों की ईवीएम में कैद होगी किस्मत

गुजरात विधानसभा चुनाव में पहले चरण के लिए 89 सीटों पर मतदान जारी है। पूर्व सीएम विजय रुपाणी, क्रिकेटर रवींद्र जडेजा और उनकी पत्नी रिवाबा, गृह मंत्री हर्ष सांघवी समेत कई दिग्गज अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके हैं। आज मतदान के बाद 788 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो जाएगी।

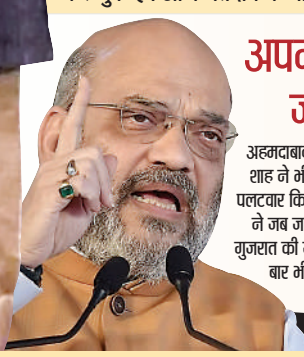

अपमान का बदला जनता लेगी

अहमदाबाद में चुनाव प्रचार करने पहुंचे अमित शाह ने भी रावण बयान को लेकर कांग्रेस पर पलटवार किया। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस ने जब जब पीएम मोदी का अपमान किया है, गुजरात की जनता ने वोट से जवाब दिया है। इस बार भी जनता पीएम मोदी के अपमान का बदला बैलेट बॉक्स में देगी।

चुनाव ही क्यों करवाते हो?

आप गुजरात के अध्यक्ष गोपाल इटालिया ने सुबह ट्वीट कर आरोप लगाया कि कतारगाम विधानसभा में जानबूझ कर स्लो वोटिंग कराया जा रहा है। चुनाव आयोग पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि अगर इसी तरीके से भाजपाई गुंडों के दबाव में काम करना है तो फिर चुनाव ही क्यों करवाते हो? पूरे प्रदेश में औसत 3.5 प्रतिशत मतदान हुआ है लेकिन कतारगाम में सिर्फ 1.41 प्रतिशत ही हो पाया है। एक छोटे से बच्चे को हराने के लिए इतना मत गिरो।

89 ▶ विधानसभा सीटों पर गुरुवार सुबह 8 बजे वोटिंग शुरू

34.48 ▶ फीसदी वोट एक बजे तक पड़े

70 ▶ महिलाएं और 339 निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में

गुजरात में बोले सीएम फेस ईशुदान गढ़वी

आप से फेवीकोल की तरह चिपका है वोटर', मिलेगा पूर्ण बहुमत

» जनता से की अच्छा उम्मीदवार चुनने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुजरात। गुजरात विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की ओर से सीएम फेस ईशुदान गढ़वी ने पूर्ण बहुमत मिलने का दावा किया। उन्होंने कहा कि गुजरात का वोटर इस बार काफी सजग है और फेवीकोल के जोड़ की तरह से आम आदमी पार्टी के साथ जुड़ गया है। उन्होंने कहा कि आठ तारीख को प्रदेश में आप की सरकार बन रही है। उन्होंने प्रदेश की जनता से हर हाल में वोट करने की अपील की। कहा कि आम आदमी की जीत तो बड़ी होनी चाहिए। मुख्यमंत्री पद के दावेदार ईशुदान गढ़वी खंभालिया सीट से आम आदमी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

उन्होंने प्रदेश की जनता से हर हाल में वोट करने की अपील की। कहा कि आज के गुजरात में जिस पर्व का हम इंतजार कर रहे हैं वह लोकतंत्र का पर्व मतदान का दिन है। इस चुनाव में खुद आम लोगों की पार्टी मैदान में है तो इसकी जीत भी बड़ी होनी चाहिए। उन्होंने सुबह से ही लोगों में वोटिंग को लेकर उत्साह दिख रहा है। लोगों को वोट डालने के लिए कहना नहीं पड़ रहा है। लोग खुद निकल कर बूथ तक जा रहे हैं। आज किसान आगे होकर मतदान कर रहे हैं, बेरोजगार युवा एक होकर मतदान कर रहे हैं। पांच साल में एक बार तो मतदान का मौका मिलता है। इसलिए इस मौके को कत्तई हाथ से जाने नहीं देना चाहिए। उन्होंने गुजरात की जनता से अच्छा उम्मीदवार चुनने की अपील की।

हमें राजनीति नहीं काम करना है

ईशुदान ने कहा कि आम आदमी पार्टी की जब एंट्री होती है तो कहा जाता है कि हमको राजनीति करनी नहीं आती। दरअसल हमें राजनीति करनी भी नहीं है। हम तो काम करने आते हैं। राजनीति का 'र' हमें नहीं पता, काम का क ही पता है। आप ने दिल्ली में देखा होगा 7 साल में दिल्ली में अच्छे स्कूल हैं, दिल्ली में मोहल्ला क्लिनिक बना, महिलाओं को बस सुविधा फ्री है, दिल्ली में तमाम प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं है, करप्शन बिल्कुल कम है। यह 7 साल में हो रहा है तो गुजरात में 27 साल में क्यों नहीं हो रहा।

गाली से नहीं, काम से चलती है राजनीति

मल्लिकार्जुन खरगे के बयान पर उन्होंने कहा कि इसको गालियां देना उसको गालियां देना हमारा काम नहीं है। हम वह करने के लिए राजनीति में नहीं आए हैं। गालियां दूसरे को दे रहे हैं वोट देना औकात दिखाना यह सब गलत है। आपको अपना विजन दिखाना चाहिए। आम आदमी पार्टी अपना विजन दिखा रही है। बच्चों के भविष्य के लिए अच्छे स्कूल खोलूंगा अस्पताल खोलूंगा गांव में मोहल्ला क्लीनिक करूंगा। महंगाई बहुत है इसलिए बिजली फ्री करूंगा। यह होता है आपके टैक्स के पैसों का हिसाब। हम बता रहे हैं कि चुनावी जीतने के बाद हम क्या करने वाले है, यही सरकार का मैनेजमेंट होता है।

तेजस्वी का इमोशनल कार्ड, कहा

कुढ़नी में जिताया तो लालू यादव हो जाएंगे पूरी तरह स्वस्थ्य

» तीर छाप पर वोट करने की अपील की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। तेजस्वी यादव कुढ़नी उपचुनाव में प्रचार करने पहुंचे थे। यहां उन्होंने महागठबंधन उम्मीदार मनोज कुशवाहा के लिए वोट की अपील करते हुए इमोशनल कार्ड खेला। कुढ़नी के तुर्की में तेजस्वी ने कहा- जब 5 दिसम्बर को मेरे पिता का किडनी ट्रांसप्लांट होगा, तो होश में आने के बाद वह सबसे पहले यही पूछेंगे कि कुढ़नी में क्या हुआ। इसलिए कुढ़नी में जेडीयू की जीत तय कीजिए।

तेजस्वी ने कहा कि चिंता मत कीजिएगा। हमलोग सबको साथ लेकर चलने वाली पार्टी हैं। सबका एक साथ विकास करेंगे समाज के हर वर्ग हर तबके के बारे हमारी सरकार सोचती है। कुढ़नी की जनता हमारा साथ देंगी तो हम बहुत आगे तक जाएंगे। आप चुप चाप तीर छाप को वोट दीजिएगा। तेजस्वी ने कहा मैं तीन दिसंबर को सिंगापुर जा रहा हूं। पांच को लालू जी का ऑपरेशन है। हम चाहते हैं कि वह जब ऑपरेशन के बाद होश में आएं और कुढ़नी के बारे में पूछे तो हम बता सकें कि कुढ़नी की जनता हमें ही प्यार देगी। यहां से हम निश्चिंत होकर जाएंगे क्योंकि हमें जनता पर भरोसा है।

जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह ने मांगी माफी

वहीं जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह जनसभा में पार्टी के प्रत्याशी के लिए माफी मांगते नजर आए। ललन सिंह ने कहा कि- मनोज कुशवाहा दस साल तक यहां से विधायक रहे हैं। अगर उनसे जाने- अंजाने में कोई गलती हुई हो तो माफ कर दें। देश में आज बीजेपी की सरकार में भारी संकट है। सरकार सिर्फ धार्मिक उन्माद की बात करती है। मोदी सरकार मंहगाई और बेरोजगारी पर चर्चा नहीं करती है क्योंकि वह जानती है कि अगर इसकी चर्चा हुई तो देश में उनका खाता भी नहीं खुलेगा।

ताड़ी नेचुरल जूस, बैन करने की चर्चा ही नहीं होनी चाहिए: मांझी

» बिहार सरकार की मद्य नीति पर उठाया सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। शराबबंदी वाले बिहार में थोड़ी-थोड़ी पीने की वकालत करने वाले जीतनराम मांझी ने अब ताड़ी को नेचुरल जूस बताया है। ताड़ी को बैन करने की चर्चाओं के बीच मांझी ने कहा- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जिद्दी हैं, वे जो करने की ठान लेते हैं उसके लिए वे उतारू हो जाते हैं, ताड़ी एक नेचुरल जूस है और इसे बैन करने का सवाल ही नहीं उठना चाहिए।

मांझी ने एक बार फिर बिहार सरकार की मद्य नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि नीतीश कुमार जिद्दी हैं। वे जो करने की ठान लेते हैं, उसके लिए वे उतारू हो जाते हैं। न कुछ देखते हैं, न किसी की सुनते हैं। नीतीश कुमार को इससे कोई मतलब है कि उनकी जिद का परिणाम क्या होगा। इसी प्रक्रिया में पूरी समस्या झूल रही है। पूरा बिहार आज उनकी जिद के आगे परेशान है। दरअसल बिहार में ताड़ी को लेकर सियासत तेज है। सीएम नीतीश कुमार एक तरफ जहां ताड़ी का व्यवसाय छोड़कर दूसरे काम करने के लिए एक लाख रुपए की मदद देने की बात कह रहे हैं।

राजस्थान बीजेपी में गुटबाजी: एकजुटता का संदेश देकर जेपी नड्डा बजाएंगे चुनावी बिगुल

» वसुंधरा-पूनिया की रार होगी खत्म!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान कांग्रेस की आंतरिक कलह के शांत होने के बाद बीजेपी ने गहलोत सरकार को घेरने का प्लान बना लिया है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जयपुर पहुंच रहे हैं जहां वह बीजेपी के जन आक्रोश अभियान की शुरूआत करेंगे। मालूम हो कि सूबे की सियासत में वसुंधरा राजे गुट लंबे समय से उन्हें सीएम फेस घोषित करने की मांग पर अड़ा हुआ है। इसके इधर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया का कहना है कि विधानसभा चुनाव में पीएम मोदी चुनावी चेहरा होंगे। ऐसे में सीएम फेस को लेकर राजे और पूनिया गुट में लंबे समय से रार छिड़ी हुई है। बीते दिनों वसुंधरा राजे गुट के नेताओं ने जन आक्रोश यात्रा के लांचिंग कार्यक्रम से भी दूरी बना रखी थी।

कांग्रेस के सियासी घमासान और गहलोत-पायलट की जंग के बीच पहली बार नड्डा जयपुर आ रहे हैं ऐसे में उनका यह दौरा अहम माना जा रहा है। वहीं बीजेपी जन आक्रोश अभियान में कांग्रेस की खींचतान और तुष्टीकरण को मुद्दा बनाने का ऐलान कर चुकी है। इसके अलावा बीजेपी में भी आपसी खींचतान लगातार जारी है जहां सीएम फेस को लेकर नेताओं की गुटबाजी देखने को मिली है। ऐसे में नड्डा बीजेपी में एकजुटता का संदेश देने के साथ ही 2023 के लिए नेताओं को अनुशासन का पाठ पढ़ा कर जाएंगे।

नड्डा पढ़ाएंगे एकजुटता का पाठ

मिली जानकारी के मुताबिक नड्डा जयपुर में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करेंगे और राजस्थान में कांग्रेस सरकार के खिलाफ 'जन आक्रोश रथ यात्रा' को बीजेपी का झंडा दिखाकर रवाना करेंगे। बीजेपी ने आदर्श नगर के दशहरा मैदान में एक बड़ा मंच लगाया है, जहां 10 हजार से ज्यादा बीजेपी कार्यकर्ता और लोग इकट्ठा होने का दावा किया गया है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

जडेजा ने जारी किया बाल ठाकरे का वीडियो, पीएम का भी है जिक्र, कहा

'अभी भी समझ जाओ गुजरातियों'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुजरात चुनाव के पहले चरण के आज हो रहे मतदान के पहले क्रिकेटर रवींद्र जडेजा ने शिवसेना संस्थापक बालासाहब ठाकरे का पुराना वीडियो साझा किया है। इसमें बाल ठाकरे ने गुजरातियों को चेताया था। ठाकरे ने इसमें कहा था नरेंद्र मोदी गया तो गुजरात गया।

रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा गुजरात के उत्तरी जामनगर सीट से भाजपा प्रत्याशी हैं। आज मतदान शुरू होने से चंद घंटों पहले जडेजा ने अपनी पत्नी व भाजपा को जिताने की अपील करते हुए बाला साहब का यह पुराना वीडियो जारी किया। जडेजा ने ठाकरे का वीडियो जारी करने के साथ मतदाताओं से कहा है, अभी भी वक्त है, समझ जाओ गुजरातियों, एक शेर की बात सुनो। वीडियो में ठाकरे कह रहे हैं कि मेरा इतना ही कहना है कि नरेंद्र मोदी गया तो गुजरात गया। गुजरात में आज 89 विधानसभा सीटों के लिए मतदान हो रहा है। इन पर 788 प्रत्याशी मैदान में हैं। इनमें रिवाबा जडेजा भी शामिल है। बता दें, जामनगर उत्तर विधानसभा सीट पर अभी भाजपा का ही कब्जा है। 2017 में यहां से धर्मेंद्र सिंह जडेजा विधायक थे, लेकिन इस बार पार्टी ने उनका टिकट काट कर स्टार क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा को मौका दिया है। रिवाबा 2019 के लोकसभा चुनावों के समय भाजपा में शामिल हुईं थीं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की थी।

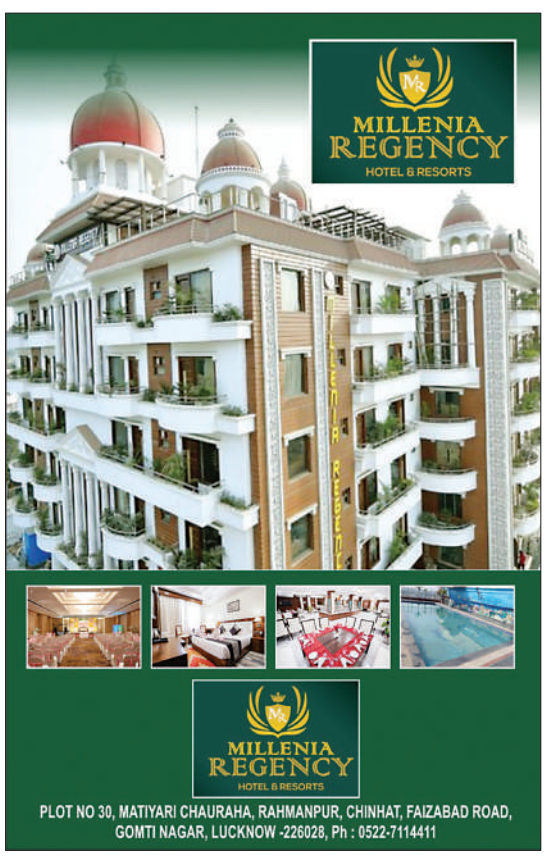

2017 में दक्षिण और मध्य गुजरात ने भाजपा की करायी थी सत्ता वापसी

» कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्र में कांग्रेस ने 54 में से 30 सीटें जीती थी

चेतन गुप्ता

गुजरात। गुजरात विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण की 89 सीटों पर आज जनता ने वोट की चोट की। 2017 की तरह इस बार भी दो चरणों में मतदान हो रहा है। आठ दिसंबर को हिमाचल प्रदेश के साथ ही गुजरात चुनाव के भी नतीजे आएंगे। पिछली बार भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर रही थी। वहीं, इस बार आम आदमी पार्टी मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने में लगी है। गुजरात में कुल 182 विधानसभा सीटें हैं। बहुमत के लिए 92 सीटों की जरूरत होती है। 2017 के विधानसभा चुनाव भाजपा को 99, कांग्रेस को 77 सीटें मिलीं थी। छह सीटें निर्दलीय और अन्य के खाते में गई थीं। राज्य की सीटों को क्षेत्रवार देखें तो मध्य गुजरात में 61, सौराष्ट्र एवं कच्छ में 54, उत्तर गुजरात में 32 और दक्षिण गुजरात में 35 सीटें आती हैं।

मध्य गुजरात की 61 में से 37 सीटें भाजपा के खाते में गईं थीं। कांग्रेस को 22 सीटें मिली थीं। वहीं, अन्य के खाते में दो सीटें गई थीं। यानी, मध्य गुजरात में भाजपा को बड़ी बढ़त मिली थी। कच्छ-सौराष्ट्र क्षेत्र में कांग्रेस का प्रदर्शन भाजपा से बेहतर था। कांग्रेस इस इलाके की 54 में से 30 सीटों पर जीत दर्ज करने में सफल रही थी। वहीं, भाजपा के खाते में 23 सीटें गई थीं। एक सीट अन्य के खाते में गई।

उत्तर गुजरात में भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर हुई थी। इस इलाके की 32 में से 17 सीटें कांग्रेस के खाते में गई थी। वहीं, 14 सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी। एक सीट पर कांग्रेस समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार जिग्नेश मेवाणी जीते थे। दक्षिण गुजरात में भाजपा ने एकतरफा जीत दर्ज की थी। इस इलाके की 35 सीटों में से 25 पर भाजपा ने जीत दर्ज की थी। आठ सीटें कांग्रेस के खाते में गई थी। बकी दो सीटों पर अन्य का कब्जा था।

तीनों बड़े जिलों में भाजपा को एक तरफा जीत मिली

गुजरात में कुल 33 जिले हैं। इन जिलों में अहमदाबाद में सबसे ज्यादा 21, सूरत में 16 और वडोदरा में 10 सीटें हैं। इन तीनों बड़े जिलों में भाजपा को एक तरफा जीत मिली थी। अहमदाबाद की 21 में से 15, सूरत की 16 में से 15 और वडोदरा की 10 में से आठ सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी। इन तीन जिलों में ही भाजपा 38 सीटें जीतने में सफल रही। अगर, नौ सीट वाले बनासकांठा और आठ सीट वाले राजकोट को भी जोड़ लें तो पांच सबसे ज्यादा सीटों वाले जिलों में भाजपा को 47 सीटें मिली थीं। इन जिलों की कुल 64 में से केवल 16 सीट ही कांग्रेस जीत सकी। कुल 33 में 13 जिलों में भाजपा को सबसे ज्यादा सीटें मिली। वहीं, 15 जिलों में कांग्रेस की सीटें भाजपा से ज्यादा थीं। पांच जिले ऐसे थे जहां दोनों पार्टियों की सीटें बराबर थीं। दोनों पार्टियों का कई जिलों में खाता तक नहीं खुला। कुल सात जिले ऐसे थे जहां भाजपा खाता भी नहीं खोल सकी। इनमें अमरेली, नर्मदा, डांग्स, तापी, अरावली, मोरबी और गिर सोमनाथ जिले शामिल थे। वहीं, दो जिले ऐसे थे जहां 2017 में कांग्रेस का खाता नहीं खुल सका था। इनमें पंच महल और पोरबंदर जिला शामिल था।

इन इलाकों में भाजपा ने निर्णायक बढ़त बनाई थी

मध्य और दक्षिण गुजरात में जहां भाजपा ने बड़ी बढ़त बनाई वहीं, सौराष्ट्र-कच्छ में कांग्रेस का प्रदर्शन बेहतर रहा था। हालांकि, सौराष्ट्र के सबसे बड़े जिले राजकोट में कांग्रेस को उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली थी। जिले की आठ में से छह सीटें भाजपा के खाते में गई थी। उत्तर गुजरात में कांग्रेस का प्रदर्शन भाजपा के मुकाबले बेहतर रहा था। इस इलाके में कांग्रेस को भाजपा से तीन सीटें ज्यादा मिली थीं। वहीं, एक सीट पर कांग्रेस समर्थित निर्दलीय जीता था। मध्य गुजरात सीटों के लिहाज से गुजरात का सबसे बड़ा इलाका है। इस इलाके में अहमदाबाद, वडोदरा जैसे जिले आते हैं, जो भाजपा का गढ़ माने जाते हैं। इस इलाके की 61 में से 37 सीटों पर भाजपा जीतने में सफल रही थी। वहीं, दक्षिण गुजरात की 35 में से 25 सीटें अकेले भाजपा के खाते में गई थीं। इस इलाके में कांग्रेस सबसे ज्यादा कमजोर रही थी। दक्षिण गुजरात और अहमदाबाद, वडोदरा जैसे बड़े जिलों में जीत की वजह से ही भाजपा सत्ता में लौटने में सफल रही।

राहुल गांधी की यात्रा को लेकर ठंडे पड़े गहलोत और पायलट के तेवर

» गहलोत-पायलट की मुस्कुराती तस्वीर के सियासी मायने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजस्थान। जयपुर के सियासी मौसम में खासी गर्माहट है। अस्पताल रोड पर बने कांग्रेस वार रूम में भारत जोड़ो यात्रा समन्यवक समिति की बैठक के बाद माहौल फिट दिख रहा है। फोटो और माहौल देखने के बाद लगता है कि केसी वेणुगोपाल ने गहलोत और पायलट में ऑल इस वेल कर दिया है। फिर से एक बार 2018 वाली तस्वीर दिखी है। इस बैठक में समिति के 43 सदस्यों को आमंत्रित थे। अजय माकन पिछली बैठक में भी नहीं आये थे और इस बैठक में उनकी जगह केसी वेणुगोपाल ने सब कुछ ठीक करने का प्रयास किया है।

केसी वेणुगोपाल के कंधे पर दोहरी जिम्मेदारी है। पहली की पायलट और गहलोत की लड़ाई में शांति लाना और भारत जोड़ो यात्रा को सफल बनाने पर काम करना। सबकी निगाहें केसी के हर कदम पर थीं। वेणुगोपाल राजस्थान से ही कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य हैं। और यहां के विधायकों से उनकी जान-पहचान भी है। ऐसे में उनका हर फैसला बेहद अहम माना जा रहा है। जहां एक तरफ दोनों तरफ से राहुल की यात्रा से पहले मामले को साफ करने की मांग हो रही है वहीँ अब केवल यात्रा के बैठक को सफल बनाने का प्रयास भी सफल दिख रहा है।

बदले-बदले से नजारे

पिछले दिनों 23 नवंबर को एक बार फिर गहलोत और पायलट में कड़वाहट दिखी थी, जिसमें न तो पायलट ने गहलोत से कुछ कहा और न ही गहलोत ने पायलट को कुछ कहा। विधायक हरीश चौधरी के बगल में पायलट बैठ रहे और बाद में बाहर निकल गए थे। इस दौरान पायलट ने वहां पर मौजूद नेताओं से बात भी किया था। बैठक से बाहर निकले के बाद मीडिया से सचिन ने बातचीत के मध्य प्रदेश निकल गए थे। उसके बाद अशोक गहलोत के इंटरव्यू ने तूफान मचा दिया है, लेकिन अब सब ठीक दिख रहा है।

राहुल के संपत्ति वाले बयान ने दिखाया असर

इंदौर में राहुल गांधी ने पायलट और अशोक गहलोत को लेकर बयान दिया था कि उनके लिए पायलट और गहलोत सम्पति हैं। राजस्थान कांग्रेस की गुटबाजी को लेकर हाईकमान ने सख्त रुख अपनाया है जिसके बाद अब मामला ठंडा नजर आ रहा है। जहां गहलोत के बदले सुर नजर आ रहे हैं वहीं पायलट कह रहे हैं कि सभी के सहयोग से 2018 में कांग्रेस की सरकार बनी थी और राजस्थान में राहुल गांधी की यात्रा का शानदार स्वागत किया जाएगा। इसकी पूरी तैयारी भी है। राहुल की यह यात्रा झालावाड़, कोटा, बूंदी, सवाईमाधोपुर, दौसा, अलवर जिले से होकर जायेगी और इस दौरान कुल 521 किलोमीटर का सफर तय है। पूरे 17 दिनों तक राजस्थान में यह यात्रा रहेगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

पहले चरण से साफ हो जाएगी गुजरात की तस्वीर

गुजरात में पहले चरण के मतदान में 19 जिलों की 89 सीटों पर आज मतदान हुआ। जिन 19 जिलों में आज मतदान हुआ उनमें कच्छ, सुरेंद्रनगर, मोरबी, राजकोट, जामनगर, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, जूनागढ़, गिर सोमनाथ, अमरेली, भावनगर, बोटाद, नर्मदा, भरूच, सूरत, तापी, डांग्स, नवसारी, और वलसाड जिले शामिल हैं।

गुजराती मानस ने आज विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण की 89 सीटों पर जिस तरह से वोट की चोट की, उससे सभी राजनैतिक दलों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ देखने को मिल रही है। मोदी मैजिक के सहारे भाजपा जहां जीत का इतिहास बरकरार रखना चाहती है वहीं कांग्रेस 27 साल के इस इतिहास को बदलना। पिछले विधान सभा चुनाव के प्रथम चरण के भाजपा को 48 और कांग्रेस को 40 सीटें मिली थी। पिछले बार की तरह इस बार भी गुजरात विधानसभा चुनाव दो चरणों में हो रहें हैं। पहले चरण के मतदान से ही गुजरात की तस्वीर साफ हो जाएगी कि राज्य में किसकी सरकार बनेगी।

गुजरात की सभी 182 विधानसभा सीटों पर 1 और 5 दिसंबर को दो चरणों में मतदान कराया जाएगा। गुजरात की विधानसभा का कार्यकाल 18 फरवरी 2023 को खत्म हो रहा है। गुजरात के कुल 33 जिलों की 182 विधानसभा सीटों में से पहले चरण में 89 सीटों पर मतदाता अपना मत दर्ज कराएगें। दूसरे चरण में 93 सीटों पर मतदान होना है। चुनाव आयोग के द्वारा जारी आंकड़ो के मुताबिक गुजरात में वोट देने वाले कुल मतदाता 4.91 करोड़ हैं। जिसमें से 4.61 लाख नए वोटर हैं। इनमें से 9.87 लाख मतदाता 80 साल से ज्यादा के हैं। गुजरात में पहले चरण के मतदान में 19 जिलों की 89 सीटों पर आज मतदान हुआ। जिन 19 जिलों में आज मतदान हुआ उनमें कच्छ, सुरेंद्रनगर, मोरबी, राजकोट, जामनगर, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, जूनागढ़, गिर सोमनाथ, अमरेली, भावनगर, बोटाद, नर्मदा, भरूच, सूरत, तापी, डांग्स, नवसारी, और वलसाड जिले शामिल हैं। इसका अर्थ है कि इन 19 जिलों के अनुसार पहले चरण में सौराष्ट्र-कच्छ और दक्षिण गुजरात में चुनाव पूरा हो जाएगा। गुजरात के दूसरे चरण के मतदान में कुल 14 जिलों की 93 सीटों पर मतदान कराया जाएगा। गुजरात के वह 14 जिलो में बनासकांठा, पाटन, मेहसाणा, साबरकांठा, अरावली, गांधीनगर, अहमदाबाद, आणंद, खेड़ा, महिसागर, पंच महल, दाहोद, वडोदरा और छोटा उदयपुर शामिल है। दूसरे चरण के मतदान में मध्य और उत्तर गुजरात की सीटों पर चुनाव होगा। गौरतलब है कि गुजरात की सभी विधानसभा सीटों के लिए बीजेपी ने मुख्यमंत्री पद के लिए भूपेंद्र पटेल को चुनावी मैदान में उतारा है तो वहीं आम आदमी पार्टी ने मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी पार्टी से पत्रकार यसुदान गढ़वी के नाम की घोषणा की है। गुजरात की सभी विधानसभा सीटों और हिमाचल की विधानसभा सीट के मतों की गणना 8 दिसंबर को होगी। उसी दिन गुजरात और हिमाचल में किस की सरकार बनेगी इसका फैसला हो जाएगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सैनिक सम्मान रक्षा हेतु कानून बने

तरुण विजय

पिछले सप्ताह मुझे गोरखा सैनिकों की शिखर संस्था अखिल भारतीय गोरखा पूर्व सैनिक कल्याण संगठन के संरक्षक के नाते देशभर से आये गोरखा पूर्व सैनिकों से मिलने का अवसर मिला। आयु में अधिक होते हुए भी उत्साह और वीरता में वे किसी से कम नहीं। उनमें राष्ट्रभक्ति और धर्मनिष्ठा का अद्भुत ज्वार होता है। गोरखा शब्द ही गो रक्षा से आया है। नेपाल में उनका मूल स्थान है और हिंदू धर्म के प्रति अगाध निष्ठा। वे गुरु गोरखनाथ के अनुयायी हैं, जिनकी गद्दी वर्तमान में गोरखपुर है, जहां के यशस्वी प्रमुख योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं।

गोरखाओं ने देश रक्षा हेतु अद्भुत बलिदान दिये हैं। आजाद हिंद फौज के सेनापति नेताजी सुभाष चंद्र बोस के अनन्य सहयोगी थे मेजर दुर्गा मल्ल। वे देहरादून के रहने वाले थे। इंफाल में हुए भयंकर युद्ध में अंग्रेजों के बहत्तर हजार सैनिक मारे गये थे। उस युद्ध में मेजर दुर्गा मल्ल पकड़े गये और लाल किले में उनको फांसी दी गयी। भारतीय संसद में उनकी मूर्ति प्रतिष्ठित है। बैरिस्टर अड़ी बहादुर गुरुंग भी संविधान सभा के सदस्य थे और उन्हीं की पहल पर तथा नेतृत्व में गोरखा पूर्व सैनिक कल्याण संगठन का गठन हुआ। आजादी के बाद भी गोरखा वीरता अप्रतिम रही है। चीन के साथ युद्ध में मेजर धन बहादुर थापा को वीरता के शिखर प्रदर्शन हेतु परम वीर चक्र से सम्मानित किया गया था। इस संगठन द्वारा हजारों गोरखा परिवारों के सदस्यों को शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं महिलाओं के सशक्तीकरण हेतु सहायता दी जाती है। खेद है कि यह राशि अत्यंत नगण्य अर्थात केवल बारह लाख रुपये वार्षिक है, जो कम से कम एक करोड़ रुपये वार्षिक होनी चाहिए। गोरखा सैनिकों की यह भी मांग है कि उनको अनुसूचित जनजाति का दर्जा मिले, जिसके लिए केंद्र सरकार उनको आश्वासन देती आयी है। गृहमंत्री अमित शाह के साथ 12 अक्तूबर, 2021 को दार्जिलिंग के भाजपा सांसद राजू बिष्ट के नेतृत्व में हुई चर्चा में दार्जिलिंग, तराई, दूआर के अनेक नेता शामिल हुए थे और विभिन्न विषयों के साथ अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने पर भी विचार हुआ था।

उनके साथ बातचीत में यह भी विषय निकला कि आजकल सेना और सैनिकों का अपमान नया सेकुलर फैशन हो गया है। सेना में हमारे नौजवान सब कुछ दांव पर लगाकर शामिल होते हैं। बीस-इक्कीस साल की उम्र में जब सपने उमंग भर रहे होते हैं, तब वे सियाचिन के ग्लेशियर से लेकर जैसलमेर के रेगिस्तानों और अरुणाचल के दुर्गम क्षेत्र में कर्तव्य पालन करते हैं और बलिदान भी हो जाते हैं। उनके परिवारों पर क्या गुजरती है, इसका क्या

सामान्य भारतीयों को अहसास होता है? लेकिन जब ऐश्वर्यशाली लोग भारतीय सेना और सैनिकों का मखौल उड़ाते हैं, तो उनके विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं होती, जबकि किसी फटेहाल नेता के बारे में भी कोई टिप्पणी कर दे, तो उसकी तुरंत गिरफ्तारी हो जाती है। क्या सैनिक और सेना का सम्मान किसी नेता के सम्मान से कम आंका जाना चाहिए? सेकुलर मीडिया पर प्राय: आतंकवादी और संविधान द्वारा नियुक्त न्याय व्यवस्था द्वारा मृत्यु दंड पाये देशद्रोहियों के घरवालों के सहानुभूतिपूर्ण इंटरव्यू पढ़ने को मिलते हैं, लेकिन कश्मीर में आतंकवादियों का सामना करते हुए बलिदान हुए किसी सैनिक के परिजनों के साथ क्या किसी समाचार पत्र में हमने इंटरव्यू देखा? एक सामान्य दर्जे की अभिनेत्री ऋचा चड्ढा द्वारा सेना का अपमान करने पर उसके साथ अनेक सेकुलर पत्रकार खड़े होंगे, जिन्होंने कभी हिंदुओं के मानवाधिकारों पर आवाज नहीं उठायी, जिन्होंने कभी कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा मारे जा रहे मजदूरों पर नहीं बोला, जिन्होंने जीवन में कभी किसी आतंकी संगठन का विरोध नहीं किया, जिनकी लेखनी से दलित महिलाओं पर इस्लामवादियों के अत्याचारों पर एक शब्द नहीं लिखा गया। ऐसी आवाजों पर लगाम क्यों नहीं लगायी जाती? दुर्दांत आफताब ने दलित परिवार से आयी श्रद्धा के पैंतीस टुकड़े कर दिये। किसी भी सेकुलर पत्रकार ने इस बारे में एक शब्द भी भर्त्सना का नहीं बोला। ये वही तत्व हैं, जो कश्मीर से आतंकवाद के सफाये पर, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण पर, तीन तलाक खत्म करने पर, खालिस्तान विरोधी मुहिम पर मोदी सरकार का विरोध करते हैं। इनका पाकिस्तान की मीडिया में बहुत स्वागत होता है। पाकिस्तान के विभिन्न विषयों पर जो विचार होते हैं, इन सेकुलर और लिबरल लोगों के विचार हूबहू एक जैसे क्यों हो जाते हैं? इस संबंध में मैंने राज्यसभा में एक विधेयक का प्रस्ताव किया था, जिसका नाम था सशस्त्र सेना सम्मान संरक्षण अधिनियम।

भारतीय न्यायाधीशों के सम्मान की रक्षा हेतु जिस प्रकार 12 दिसंबर, 1971 को न्यायालय अपमान अधिनियम बनाया गया, उसी प्रकार सैनिकों के अपमान के विरुद्ध कानून बनाये जाने की जरूरत है। राज्यसभा में इसका काफी स्वागत भी हुआ, लेकिन संभवत: सरकार को लगा कि इस पर अधिक विचार की आवश्यकता है। अब समय आ गया है कि सैनिकों के सम्मान की रक्षा हेतु कठोर कानून बना कर प्रतिदिन होने वाली ऋ चा चड्ढा जैसी घटनाक्रमों पर रोक लगायी जाए।

चीन में बढ़ता विरोध प्रदर्शन

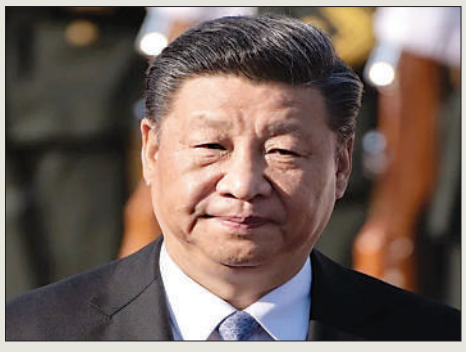

डॉ. धनंजय त्रिपाठी

चीन में महामारी की रोकथाम के लिए चल रही जीरो-कोविड पॉलिसी के खिलाफ पहले से ही विरोध हो रहा था, पर बीते गुरुवार को जिनजियांग क्षेत्र में एक रिहायशी इमारत में लगी आग से कई लोगों की मौत के बाद से प्रदर्शनों में बहुत तेजी आ गयी है। अभी देश के बहुत सारे शहरों में लगातार विरोध हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि कड़े नियमों के कारण इमारत में फंसे लोगों तक बचावकर्मी सही समय पर नहीं पहुंच सके तथा इमारत को भी बंद रखा गया था। दूसरी अहम बात यह है कि जीरो-कोविड पॉलिसी से चीन की अर्थव्यवस्था को भी बहुत नुकसान हुआ है। चीन में 2002 में मध्य वर्ग की आबादी 75 लाख के आसपास थी, जो आबादी का एक फीसदी हिस्सा था, वह आज बढ़ कर 25 प्रतिशत तक हो चुका है। इस वर्ग की अपनी आकांक्षाएं हैं और चीन के विकास के साथ वे आकांक्षाएं पूरी भी हुई हैं, लेकिन कोरोना संबंधी नीतियों के कारण स्थिति बिगड़ रही है। चीन में बेरोजगारी दर 19 फीसदी के आसपास पहुंच चुकी है। जो कंपनियां महामारी से जुड़ी चीजें उत्पादित करती हैं, उनकी कमाई तो लगातार तेजी से बढ़ी है, पर ऐसा बाकी उद्योगों के साथ नहीं हो रहा है। देश की जो तीन बड़ी एयरलाइन हैं, वे बड़े घाटे में हैं।

इस प्रकार चीनी अर्थव्यवस्था उतार-चढ़ाव के दौर से गुजर रही है। उदाहरण के लिए, तकनीकी कंपनी फॉक्सकॉन में दो लाख से अधिक लोग कार्यरत हैं। वहां जीरो-कोविड नीति के चलते अस्थिरता पैदा हुई है। अब जो मध्य वर्ग है या जो कामकाजी लोग हैं, वे यह देख रहे हैं कि पूरी दुनिया में अब कोविड को लेकर कोई पाबंदी कहीं नहीं है। चीन में महामारी से मौतें भी कम हुई हैं। अनेक लोग मानते हैं कि ऐसा नीतियों के चलते है, तो कई लोग यह भी कहते हैं कि ऐसा इसलिए हुआ कि शुरू में चीन की सरकार ने अच्छे इंतजाम कर लिये थे।

चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी का रवैया भी आपत्तिजनक रहा है। पार्टी और सरकार ने अपनी नीतियों के बारे में लोगों के अनुभवों और सुझावों को सुनने तथा उस पर अमल करने की कोई कोशिश नहीं की। कम्युनिस्ट पार्टी के सामने अब स्थिति और विकट हो गयी है। वे इन प्रदर्शनों को बलपूर्वक दबायेंगे, जिसकी क्षमता उनके पास है, तो विरोध बढ़ेगा ही। अगर विरोधों की वजह से और लोगों को शांत करने की मंशा से सरकार अपनी नीतियों में ढील देती है और पाबंदियां हटाती है, तो जैसा कि पार्टी में एक हिस्से का अनुमान है, इससे चीन के भीतर मौजूद लोकतांत्रिक समूहों का हौसला बढ़ेगा तथा वे भविष्य में बड़ा आंदोलन खड़ा कर सकते हैं। इस असमंजस की स्थिति में कम्युनिस्ट पार्टी का नेतृत्व कोई ठोस निर्णय ले पाने में विफल हो रहा है। इस स्थिति में कम्युनिस्ट पार्टी को समझदारी दिखाते हुए नीतियों में छूट देनी चाहिए, जो सही कदम भी होगा, लेकिन उसके दूरगामी परिणामों के बारे में भी उन्हें आगाह रहना होगा। हांगकांग में तो लोकतंत्र-समर्थक आंदोलनों को बलपूर्वक दबा दिया गया था, पर चीन की मुख्यभूमि में ऐसे व्यापक विरोध पहले नहीं हुए थे। चीन के लिए विरोध प्रदर्शन नयी बात नहीं है।

मजदूर संगठनों के आंदोलन होते रहे हैं, कॉलेजों में प्रदर्शन हुए हैं, लेकिन मौजूदा प्रदर्शनों जैसा पहले कभी नहीं देखा गया है, जो संगठित है और उनमें दृढ़ निश्चय स्पष्ट देखा जा सकता है। भारत, अमेरिका, यूरोप, रूस समेत कई देशों में महामारी की लहरें आयीं और गयीं। अब स्थिति नियंत्रण में है। लेकिन चीन में बीच-बीच में संक्रमण क्यों बढ़ जा रहा है, इसका कोई वैज्ञानिक स्पष्टीकरण चीनी सरकार अपनी जनता के समक्ष नहीं रख सकी है। एक मिनट के लिए मान लें कि पाबंदियों की जरूरत है, तो फिर सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बुनियादी जरूरत की चीजें लोगों तक ठीक से पहुंच सकें। लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है। अगर लोग बाहर नहीं जा सकते और उन्हें चीजें भी न मिलें, तो उनका गुस्सा भड़कना स्वाभाविक ही है। चीन से जुड़ी आपूर्ति शृंखला को तोड़ कर अन्य देशों में उद्योग ले जाना शुरू कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, एप्पल उत्पाद बनाने वाली फॉक्सकॉन कंपनी भारत में बड़ा संयंत्र स्थापित कर रही है। इस आयाम के कारण भी चीनी जनता अपनी सरकार से नाराज हो रही है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के लिए यह एक विकट स्थिति है और वह चाहे जो भी कदम उठाये, उसके भविष्य पर उसका असर निश्चित ही पड़ेगा। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के प्रति लोगों का क्रोधित होना स्वाभाविक है, क्योंकि वे नेता हैं और अभी उनके तीसरे कार्यकाल पर पार्टी ने मुहर लगायी है।

जो लोग कम्युनिस्ट पार्टी के कामकाज के बारे में जानते हैं, वे यह भी जानते हैं कि अगर शी जिनपिंग कमजोर होते हैं या जनता में उनके प्रति अविश्वास बढ़ता है, तो इसका खामियाजा आखिरकार पूरी कम्युनिस्ट पार्टी के कमजोर होने के रूप में सामने आयेगा। अगर पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व कमजोर होता है, तो पूरी पार्टी कमजोर होगी। यह भी उल्लेखनीय है कि जिन जगहों पर सबसे बड़े विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, वहां ऐतिहासिक रूप से चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का अच्छा-खासा वर्चस्व रहा है। इसका एक अर्थ यह भी है कि पार्टी के स्थानीय नेतृत्व से भी लोगों का मोहभंग हो चुका है। हांगकांग के विरोधों का ठीकरा सरकार ने दूसरे देशों पर मढ़कर जनता को अपने पाले में ले लिया था और विरोधों का दमन भी कर दिया था। अब देखना है कि मुख्यभूमि में उसकी रणनीति क्या होती है।

इन तरीकों से बिल्कुल चमक जायेगा

लेदर का बैग

लेदर कभी आउट ऑफ फैशन नहीं होता। यह बेहद टिकाऊ और शानदार मटेरियल है। इसी वजह से हम सभी के वार्डरोब में लेदर की जैकेट, बेल्ट, बैग्स या जूते जरूर होते हैं। ये आइटम्स जितने अच्छे लगते हैं, उनकी देखभाल करना भी उतना ही जरूरी है। अगर इनका रखरखाव ठीक से न किया जाए, तो ये बहुत जल्दी खराब होने लगते हैं। अगर आप अपने लेदर आइटम्स को लंबे समय तक नया जैसा रखना चाहते हैं, तो यहां कुछ टिप्स बताए गए हैं।

लेदर को वॉश न करें

लेदर काफी डेलीकेट होता है। इसके इस नेचर के कारण इसे वॉश करना सही नहीं है। इसके बजाय दाग लगने पर चमड़े को साफ करें।

धूप से बचाएं

लेदर की चीज चाहे वह बैग हो, वॉलेट हो या फिर फर्नीचर धूप से बचाना चाहिए। सीधे धूप के संपर्क में आने से लेदर बहुत जल्दी फेड हो जाता है। साथ ही इसकी लाइफ भी कम हो जाती है।

डस्ट बैग का करें इस्तेमाल

लेदर को अगर सूखे कपड़े से साफ नहीं करना चाहते, तो डस्ट बैग अच्छा विकल्प है। इससे जैकेट या पर्स पर जमी धूल और मिट्टी बहुत जल्दी साफ हो जाएगी। इसके अलावा आइटम्स की लाइफ भी बढ़ेगी।

लेदर बैग और जूते को ऐसे करें साफ

सबसे पहले बैग या शूज से गंदगी को क्लीन करने के लिए हार्ड ब्रिसल वाले ब्रश का इस्तेमाल करें। लेदर को पोंछने के लिए साफ और सूखा कपड़ा लें और ग्रीस को हटा दें। अब एक स्प्रे बोतल में पानी और डिटर्जेंट को मिलाकर दाग पर छिड़क दें और हल्के हाथ से कपड़े से साफ करें। लेदर एकदम साफ हो जाएगा।

यहां बताए गए तरीके किसी भी प्रकार के लेदर आइटम को साफ करने के लिए बेस्ट हैं। समय-समय पर लेदर को साफ करते रहने से इसकी चमक बरकरार रहती है ।

फोल्ड न करें जैकेट

अगर आपके लेदर जैकेट है, तो इसे अलमारी में फोल्ड करके कभी न रखें। इसे हैंगर पर टांगकर रखें, रिंकल्स नहीं आएंगे और यह जगह -जगह से फटने से भी बच जाएगी। इसके अलावा लेदर की जैकेट सिकुड़ी दिखे, तो इस आयरन करने से बचना चाहिए।

हंसना मना है

नंबर वाला चश्मा उतारने का घरेलू उपाय... पहले दायें हाथ में दायी डंडी पकड़ें, फिर बायें हाथ में बायी डंडी पकड़ें,धीरे से चश्मा आगे की तरफ खींचें,चश्मा उतर जायेगा।

भाई कितनी भी पढ़ाई कर लो, डिग्री-विग्री ले लो...लेकिन रेस्टोरेंट के दरवाजे पर Push और Pull लिखा देखते हो तो... 2-3 सेकेंड के लिए सोचना जरूर पड़ता है कि दरवाजा धकेलना है कि खींचना है।

मौंटी- अगर कोई गलती हो जाए तो पता है क्या करना चाहिए...शौंटी- क्या...? मौंटी- शांति से बैठकर सोचना चाहिए कि नाम किसका लगाना है...!

छात्र - सर जी...मास्टर - हां बोलो...छात्र - मैंने जो काम नहीं किया क्या आप उसकी सजा मुझे देंगे...? मास्टर - नहीं, बिल्कुल नहीं! बोलो क्या बात है...? छात्र - मैंने आज होमवर्क नहीं किया...!

लड़की- कितना प्यार करते हो मुझसे? टीटू- शाहजहां जैसा, लड़की जिद करने लगी, ताजमहल बनवाओ. टीटू- जमीन खरीद ली है, बस तुम्हारे मरने का इंतज़ार कर रहा हूं आस-पास खड़े लड़कों ने ठोका सलाम!

ताऊ अस्पताल गए इलाज करवाने... नर्स- लम्बी सांस लो। ताऊजी ने लंबी सांस ली... नर्स- कैसा महसूस हो रहा है? ताऊजी- कौन सा Perfume लगाकर आई हो, बहुत अच्छा है...।

कहानी — देखो गुस्सा न करना

सूरज और हवा एक दिन अपनी बहादुरी की कहानियां सूना रहे थे। सूरज कहता था कि वह ज्यादा ताकतवर है हवा कहती थी कि वह ज्यादा शक्तिशाली है। दोनों ने तय किया कि वे एक प्रतियोगिया करेंगे। दोनों एक बड़े से मैदान की ओर मुंह करके खड़े हो गए। उन्होंने निश्चय किया कि इस मैदान से होकर जो पहला यात्री जाएगा, उस पर ध्यान देना है। हवा और सूरज में से जो उस यात्री को कपड़े उतरने के लिए मजबूर कर देगा वहीं ज्यादा ताकतवर होगा। तभी उस मैदान में एक व्यक्ति आता दिखाई दिया। हवा ने कहा कि पहले वह कोशिश करेगी। उसे विश्वास था कि वह जरूर जीतेगी। हवा ने जोर से चलना शुरू किया। उस व्यक्ति के कपड़े उड़ने लगे। उसको चलना मुश्किल होने लगा। लेकिन उसके कपड़े जितना उड़ने की कोशिश करते थे, उतना ही वह उन्हें और कसकर अपने शरीर पर बांध लेता था। यह देखकर हवा को गुस्सा आने लगा। वह इतनी जोर से बही कि तूफान-सा आने लगा। अपनी सुरक्षा के लिए वह व्यक्ति एक कोने में खड़ा हो गया। आखिर हवा थक कर चूर हो गई। लेकिन वह उस व्यक्ति का एक भी कपड़ा नहीं उतरवा पाई। हवा के झोंके रुके तो वह व्यक्ति फिर से आगे बढ़ा। उसे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि अचानक सूरज तेजी से चमकने लगा था और गर्मी बढ़ने लगी थी। बात यह थी कि अब सूरज की बारी थी अपनी कोशिश करने की। सूरज ने न तो गुस्सा किया और न ही ज्यादा ताकत लगाई। बस आराम से चमकता रहा। आखिर उस व्यक्ति को गर्मी लगने लगी। गर्मी से परेशान होकर उसने अपने कपड़े उतारे। पास में ही एक नदी बहती थी। नहाने के लिए वह नदी की ओर चला गया। सूरज जीत गया। हवा समझ गई कि क्रोध करने से कुछ नहीं होता। बीएस शांत रहकर अपना काम करना चाहिए। जो काम शांत स्वभाव वाले कर सकते हैं, वही काम क्रोधी व्यक्ति के लिए कर पाना मुश्किल होता है।

7 अंतर खोजें

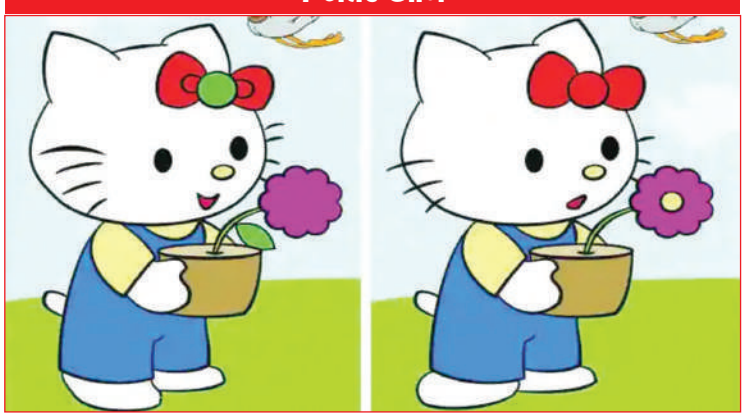

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — मानसिक शान्ति के लिए किसी दान-पुण्य के काम में सहभागिता करें। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर ?यदा दिलायेगा। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा।

वृषभ — प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें।

मिथुन — आज का दिन शानदार बीतेगा। कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की तारीफ कर सकते हैं। आपकी सैलरी में बढ़ोत्तरी भी हो सकती है। आपके अटके हुए काम पूरे हो सकते हैं।

कर्क — आज का दिन आपके लिए उत्साहपूर्ण रहेगा । आज कार्यों में तरक्की बनी रहेगी। साथ ही कोई मांगलिक कार्य भी कर सकते हैं। दोस्तों के साथ बाहर मौसम का लुफ्त उठा सकते हैं।

सिंह — आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएं। जरूरत के वक्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। आज प्यार की मदहोशी में हकीकत और फ़साना मिलकर एक होते मालूम होंगे।

कन्या — बड़े बुजुर्गों की सलाह आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। धन लाभ का योग बन रहा है। शत्रु आपको हराने का प्रयास करेंगे, लेकिन आपके सामने अधिक देर तक ठहर नहीं पायेंगे।

तुला — आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप घर और ऑफिस की दुनिया से बाहर निकल कर प्रकृति का आनंद लेगा । पुरानी बहुमूल्य चीजों के मोलभाव पर आज आपको लाभ होगा।

वृश्चिक — घरेलू सुख-सुविधा की चीजों पर जरूरत से ज्यादा खर्चा न करें। आपका मूडी रवैया आपके भाई का मिजाज खराब कर सकता है। स्नेह के बंधन को बनाए रखने के लिए आपको परस्पर सम्मान और विश्वास पैदा करने की जरूरत है।

धनु — मानसिक शान्ति के लिए तनाव के कारणों का समाधान करें। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ खुशी के पल बिताएं।

मकर — आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है । आज अपनी सोच को सकारात्मक रखें, नकारात्मक चीज़ों को अपने ऊपर हावी न होने दें। लेकिन आपको अच्छे ऑप्शन देखकर ही कदम आगे बढ़ाना चाहिए।

कुम्भ — निवेश से जुड़े कुछ बेहतर मौके मिल सकते हैं। आज नए विचार आपके सामने आते रहेंगे। आज योजना बनाने और फैसला लेने के लिए दिन बहुत अच्छा है।

मीन — आज आपके पास प्रचुर ऊर्जा होगी लेकिन काम का बोझ आपकी खीज की वजह बन सकता है। घरेलू सुख-सुविधा की चीजों पर जरूरत से ज्यादा खर्चा न करें। दोस्तों और परिवार के साथ मजेदार समय बीतेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

प्रभास संग शादी की खबरों पर कृति सेनन ने लगाया विराम

बाहुबली प्रभास और भेड़िया एक्ट्रेस कृति सेनन लगातार अपने रिलेशनशिप स्टेट्स को लेकर चर्चा में हैं। इन दिनों लगातार बी टाउन से ये खबरें आ रही हैं आदिपुरुष एक्टर्स एक-दूसरे को लम्बे समय से डेट कर रहे हैं। कुछ महीनों पहले प्रभास-कृति के साथ में तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं, जिसमें प्रभास कृति के दुपट्टे से पसीना पोंछ रहे हैं। हाल ही में वरुण धवन ने बातों ही बातों में कृति सेनन के रिश्ते की रियलिटी शो में पोल खोल दी। जिसके एक या दो दिन बाद ही सोशल मीडिया पर ये खबर तेजी से वायरल हो गई कि कृति सेनन प्रभास संग जल्द ही सगाई करने वाली हैं। प्रभास संग अपनी सगाई की इन खबरों पर पूर्ण विराम लगाते हुए अब कृति सेनन ने सफाई दी है और साथ ही अपनी शादी की खबरों को लेकर भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया। लगातार सोशल मीडिया पर उड़ रही प्रभास संग सगाई की अफवाहों के बाद आखिरकार कृति सेनन अपनी सफाई देने सामने आना पड़ा। बीती रात भेड़िया एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की। इस पोस्ट में कृति ने लिखा, ये ना तो प्यार है और ना ही पीआर है। हमारा भेड़िया रियलिटी शो में थोड़ा सा ज्यादा ही वाइल्ड हो गया और उसकी मजाक मस्ती एक बड़ा रियुमर बन गई। इससे पहले कुछ मीडिया पोर्टल मेरी वेडिंग डेट अनाउंस कर दे, उससे पहले मैं आप लोगों को आपके इस सपने से बाहर लाने में मदद कर दूं। ये सभी रियूमर्स बिलकुल ही बेसलेस हैं। कुछ दिनों पहले जब वरुण धवन और कृति सेनन कलर्स के डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा के ग्रैंड फिनाले में अपनी फिल्म भेड़िया को प्रमोट करने के लिए आए थे, तो उस वक्त उन्होंने करण जौहर संग मंच पर वेस्ट ऑफ टाइम एक गेम खेला, जिसमें उन्होंने करण से कई सवाल पूछे।

टाइगर की फोटो खींचना रवीना टंडन को पड़ा भारी

रवीना टंडन इन दिनों अपनी एक फिल्म की शूटिंग के चलते मध्यप्रदेश में हैं। यहां रवीना सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में पहुंचीं और जमकर फोटोग्राफी की। रवीना टंडन ने अपने इंस्टाग्राम और ट्विटर पर टाइगर के फोटो और वीडियो शेयर किया था, जिसके बाद रवीना टंडन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। जंगल के सब डिविजनल अधिकारी धीरज सिंह चौहान ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर मामले की जांच की जा रही है। ये घटना 22 नवंबर की है।

रवीना ने इस वीडियो को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया था। वीडियो में आप साफ देख सकते हैं कि रवीना बाघ की फोटो खींच रही हैं। बाघ उनकी गाड़ी के काफी पास आ गया था और गुस्से में दहाड़ रहा था। रवीना टंडन का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। अब अधिकारी इस पूरे मामले और वीडियो की जांच कर रहे हैं। आपको बता दें रवीना टंडन मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले में स्थित सतपुड़ा टाइगर रिजर्व पहुंची थीं। यहां उन्होंने जंगल सफारी का मज़ा लिया। रवीना को फोटोग्रॉफी का शौक है उन्होंने यहां कई जीव जंतुओं की फोटो क्लिक कीं। रवीना ने ये फोटो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। बता दें रवीना टंडन ने नवंबर की शुरुआत में भी एक वीडियो शेयर किया था जिसमें वो भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क पहुंची थीं। यहां कुछ लोगों द्वारा बाघ के बाड़े में पत्थर फेंके जाने की भी बात कही गई थी। रवीना ने ट्वीट किया था, वन विहार, भोपाल, मध्य प्रदेश। कुछ बदमाश पर्यटक बाघों पर पत्थर फेंकते हैं। ऐसा न करने के लिए कहने पर हंसते हैं, पिंजरे को हिलाते हैं, और ज्यादा पत्थर फेंकते हैं। बाघों की कोई सुरक्षा नहीं है। उनके साथ खुलेआम दुर्व्यवहार किया जा रहा है। हालांकि अब रवीना टंडन के इस तरह बाघ की फोटो खीचने पर आलोचना हो रही है।

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड | गपशप

12 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी करेंगे फरदीन खान

फरदीन खान पिछले कई वर्षों से फिल्मी पर्दे से दूरी बनाए हुए हैं। वहीं, अब वह 12 साल बाद फिर से बड़े पर्दे पर कदम रखने जा रहे हैं। पिछले साल रितेश देशमुख के साथ एक फिल्म में फरदीन के कमबैक की घोषणा की गई थी। पहले जहां फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी थी, तो अब खबर है कि यह सीधे ओटीटी पर आएगी। फिल्म को संजय गुप्ता और भूषण कुमार प्रोड्यूस कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फरदीन खान कूकी गुलाटी की फिल्म विस्फोट से दोबारा बॉलीवुड में अपने कदम रखने जा रहे हैं। संजय गुप्ता द्वारा निर्मित इस फिल्म की पिछले साल सितंबर में सिनेमाघरों में रिलीज करने की घोषणा हुई थी। लेकिन हाल ही में संजय गुप्ता ने बताया कि फरदीन खान की कमबैक फिल्म सिनेमाघरों में नहीं सीधे ओटीटी पर स्ट्रीम करेगी। एक इंटरव्यू में संजय गुप्ता ने बताया कि बॉक्स ऑफिस की परिस्थितियों के कारण 2023 में फिल्म को सीधे ओटीटी पर ही रिलीज करने का फैसला लिया गया है।

विस्फोट 2012 की वेनेजुएला की फिल्म रॉक, पेपर, कैंची का आधिकारिक रीमेक है। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म में रितेश देशमुख एक पायलट और फरदीन खान एक किडनैपर का किरदार निभा रहे हैं, जो रितेश के बेटे का अपहरण कर लेते हैं। वहीं, एक इंटरव्यू में फरदीन खान ने बताया था कि वह डोंगरी के एक लड़के की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म की शूटिंग दक्षिण मुंबई इलाके में हुई है। इस फिल्म में फरदीन और रितेश के अलावा प्रिया बापट, क्रिस्टल डिसूजा, सीमा बापट और शीबा चड्ढा भी शामिल हैं।

वजन बढ़ाने के लिए पीते हैं गाय का दूध और खून, सबसे मोटे शख्स को माना जाता है हीरो

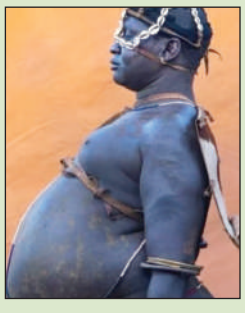

दुनिया में कई रहस्यमयी जनजातियां पाई जाती हैं। इन जनजातियों को इनकी परंपरा, रहन-सहन और खान-पान के लिए जाना जाता है। दुनिया में रहने वाली आदिवासी प्रजातियां हजारों साल पुरानी परंपराओं को आज भी निभाती हैं। जिन जंगलों में जनजातियां रहती हैं उन पर इनका पूरा अधिकार होता है। वहां की सरकारें भी इन प्रजातियों के अधिकारों में दखल नहीं देती हैं। दुनिया में पाई जाने वाली कुछ जनजातियों में बेहद अजीबोगरीब परंपरा का पालन किया जाता है। इन्हीं में से एक है इथियोपिया की बोदी जनजाति है। दुनिया में लोग सुंदर दिखने के लिए स्लिम बॉडी बनाते हैं जिसके लिए कई उपाय भी करते हैं। लेकिन इथियोपिया की बोदी जनजाति में सबसे मोटा शख्स हीरो माना जाता है। बोदी जनजाति के लोग सबसे मोटे शख्स का खिताब जीतने के लिए गाय का दूध और खून पीते हैं। यह प्रतियोगित करीब छह महीने तक चलती है जिसमें सबसे मोटे शख्स को विजेता माना जाता है। खिताब जीतने वाले शख्स को पूरे जीवन के लिए हीरो मान लिया जाता है। इथियोपिया में पाई जाने वाली यह जनजाति अपना जीवन यापन करने के लिए पशुपालन करती है। इस जनजाति के पुरुष नग्न ही रहते हैं और कमर के चारों तरफ कपास की पट्टी बांधकर रहते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए चुने जाने के बाद पुरुष किसी से संबंध नहीं बना सकता है। इस दौरान वह एक झोपड़ी में रहता है। खाने के लिए गाय के दूध और खून के मिश्रण को इस्तेमाल करते हैं। गांव की महिलाएं हर दिन पुरुषों को खाने के लिए यह मिश्रण देती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बोदी जनजाति के लोग गाय को बेहद पवित्र मानते हैं। इसकी वजह से गाय की हत्या नहीं की जाती है। गाय की नस को काटकर खून निकाला जाता है और फिर मिट्टी से उसे बंद किया जाता है। खून और दूध के मिश्रण को जमने से पहले पीना होता है। प्रतियोगिता के दिन झोपड़ी से बाहर आने से पहले पुरुष अपने शरीर को मिट्टी और राख से ढक लेते हैं।प्रतियोगिता की तैयारी करने वाले लोग छह महीने में कभी-कभी इतने मोटे हो जाते हैं कि वह चल भी नहीं पाते हैं। सबसे मोटे व्यक्ति के चुनाव के बाद एक पवित्र पत्थर से पशु की बलि दी जाती है और फिर यह प्रतियोगिता समाप्त हो जाती है। इसके बाद पुरुष सामान्य जीवन जीने लगते हैं।

अजब-गजब | निभाई जाती है अनोखी परंपरा

यहां दुल्हन की जगह होती है दूल्हे की विदाई

हमारा देश विविधताओं का देश हैं। जहां हर धर्म और जाति के लोग साथ-साथ रहते हैं। इसके साथ ही हर धर्म जाति का अलग-अलग संस्कृतियां होती है। इसीलिए हमारे देश को दूसरे देशों की तुलना में अधिक सभ्य और अलग माना जाता है। भारत में विभिन्न संस्कृतियों के लोग रहते हैं। उनकी वेशभूषा, खानपान और मान्यताएं एक दूसरे से अलग हैं। आज हम आपको भारत की एक ऐसी जनजाति के बारे में बताने जा रहें हैं, जहां पर शादी होने के बाद दुल्हन नहीं बल्कि दूल्हे की विदाई की जाती है।

यहां दुल्हन दूल्हे के घर नहीं बल्कि दूल्हे को दुल्हन के घर जाना पड़ता है। दरअसल, यह प्रथा मेघालय की खासी जनजाति में आज भी मान्य है। यह एक मातृसत्तात्मक समाज है। बता दें कि इस जनजाति में वंशीय परंपरा माता के नाम पर चलती है। इसीलिए इस समुदाय में माता-पिता की संपत्ति पर पहला अधिकार महिलाओं का होता है। लड़का और लड़की को विवाह हेतु अपना जीवन साथी चुनने की पूरी आजादी दी जाती है।

इसके अलावा इस समुदाय की सबसे खास बात ये हैं कि खासी समुदाय में किसी भी प्रकार के दहेज के लेने देना की व्यवस्था नहीं है। जो कि एक खास बात है इस समुदाय की। महिलाएं अपनी इच्छा पर किसी भी वक्त अपनी शादी को तोड़ सकती हैं। परिवार की सबसे छोटी बेटी पर सबसे अधिक जिम्मेदारी होती है। वही घर की संपत्ति की मालिक होती है। बता दें कि भारत में खासी लोगों की संख्या तकरीबन 9 लाख के करीब है। इनकी ज्यादातर आबादी मेघालय में रहती है। इनकी आबादी का कुछ हिस्सा असम, मणिपुर और पश्चिम बंगाल में रहता है।

यह समुदाय झूम खेती करके अपनी आजीविका चलाता है। संगीत के साथ इसका एक गहरा जुड़ाव है। ये विभिन्न तरह के वाद्य यंत्रों जैसे गिटार, बांसूरी, ड्रम आदि गाते बजाते हैं। बता दें कि खासी जनजाति के लोग पहले म्यांमार में रहते थे। इसके बाद इस जनजाति ने वहां से अप्रवास किया और भारत के पूर्वी असम में आकर रहने लगे। इसके बाद धीरे-धीरे इनकी आबादी मेघालय में आकर बसने लगी। इस जनजाति की भाषा खासी है।

खासी जनजाती के अलावा मेघालय की अन्य दो जनजातियों गारो और जयंतिया में भी यही प्रथा है। इन दोनों जनजातियों में यही व्यवस्थाएं चलती है जो खासी जनजाति में चलती है। यहां पर भी शादी के बाद दूल्हा, अपनी ससुराल में जाकर रहता है। बता दें कि आमतौर पर भारत में यह देखा जाता है कि लड़का होने पर ज्यादा खुशी मनाई जाती है। लेकिन खासी जनजाति में लड़की होने पर पूरा परिवार खुशी मनाता है।

प्रियंका गांधी तय करेंगी हिमाचल में कांग्रेस का मुख्यमंत्री चेहरा

» पार्टी नेतृत्व ने कांग्रेस महासचिव को सौंपी अहम जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर मुख्यमंत्री के चेहरे का फैसला प्रियंका गांधी लेंगी। पार्टी नेतृत्व ने राष्ट्रीय महासचिव को यह बड़ा फैसला लेने की जिम्मेवारी सौंप दी है। प्रियंका की रिपोर्ट के आधार पर हाईकमान मुख्यमंत्री को लेकर घोषणा करेगा। विधानसभा चुनाव के दौरान प्रियंका गांधी ने राजधानी शिमला से सटे छरावड़ा स्थित अपने घर से ही चुनाव प्रचार की कमान संभाली थी। चुनाव प्रचार के दौरान शिमला से ही प्रियंका गांधी प्रदेश में परिवर्तन प्रतिज्ञा रैलियां करने गईं। प्रदेश के सभी कांग्रेस नेताओं की कमियों और खूबियों से भी प्रियंका गांधी वाकिफ हैं। प्रदेश कांग्रेस में प्रियंका गांधी के कई गुप्त सूत्र भी हैं। इनसे उन्होंने लगातार चुनाव प्रचार के दौरान फीडबैक ली। कांग्रेस प्रत्याशियों के नाम तय करने के लिए पार्टी की तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी प्रियंका के शिमला स्थित घर से ही केंद्रीय चुनाव कमेटी की ऑनलाइन बैठक ली थी।

पार्टी नेता बताते हैं कि प्रत्याशियों के नाम तय करने में भी प्रियंका गांधी की अहम भूमिका रही है। ऐसे में कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में स्पष्ट बहुमत मिलने की स्थिति में विधायकों की बैठक के बाद हाईकमान प्रियंका गांधी की रिपोर्ट के बाद ही मुख्यमंत्री के चेहरे को फाइनल करेगा। प्रियंका की हिमाचल में हुई रैलियों में भी प्रदेश कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेताओं ने भीड़ जुटाकर अपना शक्ति प्रदर्शन किया है। मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने दिल्ली जाकर प्रियंका गांधी से मुलाकात के लिए समय मांगा था। हालांकि, भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए प्रियंका गांधी को उस दौरान मध्य प्रदेश जाना पड़ा था। इस कारण प्रियंका गांधी की प्रतिभा सिंह, सुखविंद्र सिंह सुक्खू, कौल सिंह और हर्षवर्द्धन चौहान से मुलाकात नहीं हो सकी थी।

डाक मत पत्रों की वापसी सुनिश्चित करे आयोग : प्रतिभा सिंह

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सांसद प्रतिभा सिंह ने राज्य चुनाव आयोग से सभी डाक मत पत्रों की वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। उन्होंने आयोग से सभी चुनाव रिटर्निंग अधिकारियों से इस कार्य में तुरंत तेजी लाने के निर्देश देने को भी कहा है। प्रतिभा सिंह ने बुधवार को प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी मनीष गर्ग से दूरभाष पर डाक मत पत्रों की वापसी की धीमी गति पर चिंता व्यक्त करते हुए इस कार्य में तेजी लाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मुझे जानकारी मिली है कि चुनाव ड्यूटी पर तैनात कुछ कर्मचारियों को डाक मत पत्र जारी होने के बावजूद संबंधित कर्मचारी को प्राप्त नहीं हुए। यह मतपत्र कहा गायब हो गए हैं, इसकी पूरी जांच की जानी चाहिए। डाक मतपत्रों के साथ किसी भी प्रकार से कोई छेड़छाड़ न हो, यह भी पूरी तरह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्हें यह भी जानकारी मिल रही है कि भाजपा के कुछ नेताओं ने रिटर्निंग अधिकारियों पर सत्ता का दबाव बना कर उनसे डाक मतदाताओं की सूचियां प्राप्त कर उन मतदाताओं को भाजपा के पक्ष में मतदान करने को कहा जा रहा है। यही कारण है कि कर्मचारी अपना मतदान करने में कोई रुचि नहीं ले रहे हैं। मतदाताओं पर सत्ता का किसी भी प्रकार का दबाव लोकतंत्र की हत्या है।

मिलावटखोरों के सम्राट हैं बाबा रामदेव : बृजभूषण

» भाजपा सांसद ने योगगुरु के खिलाफ देशभर में आंदोलन करने की दी धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोण्डा। भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह और पतंजलि योगपीठ के बीच रार बढ़ती जा रही है। बीते दिनों कैसरगंज सांसद बृजभूषण सिंह ने पतंजलि उत्पादों पर सवाल उठाया था। इस पर पतंजलि के निदेशक बालकृष्ण ने कार्रवाई की चेतावनी दी थी। फिर सांसद को लीगल नोटिस भेजकर तीन दिनों में मॉफी मांगने को कहा है। लीगल नोटिस मिलने से खफा सांसद ने विश्नोहरपुर स्थित अपने आवास पर पंतजलि योगपीठ के संस्थापक बाबा रामेदव पर गंभीर आरोप लगाए और चुनौती दी कि अब पूरे देश में आंदोलन होगा।

सांसद बृजभूषण सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में बाबा रामदेव द्वारा दी गई लीगल नोटिस का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मैं किसानों, संतों और देशवासियों के हित में जेल जाने को तैयार हूं और मैं जमानत नहीं कराऊंगा। कहा कि मुझे देश के संविधान और न्यायालय पर भरोसा है अगर देश हित में जेल जाना पड़ा तो मैं पीछे नहीं हटूंगा। चेतावनी भरे लहजे में कहा कि महर्षि पतंजलि की धरती पर संत जुटेंगे और संत ही निर्णय लेंगे की आगे क्या होना चाहिए। मैं पतंजलि की भूमि से संतों का आह्वान करता हूं और अब बाबा रामदेव के खिलाफ देश भर में आंदोलन खड़ा होगा। आरोप लगाया कि बाबा रामदेव की मति भ्रष्ट हो गई है और वह महर्षि पतंजलि के नाम पर दुरुपयोग कर रहे हैं। सांसद ने बाबा रामदेव को मिलावटखोरों का सम्राट और राजा बताया। कहा कि रामदेव के लोग नकली मिठाई भी बेच रहे हैं, यह कानपुर से गोरखपुर तक बेची जा रही। भाजपा सांसद ने सरकार से ऐसे लोगों पर कार्रवाई करने की अपील की।

हिमाचल में एक साल में सामने आए 350 एचआईवी पॉजिटिव नए मरीज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश में असुरक्षित यौन संबंध बनाने वाले और नशेड़ी लोग एड्स के मरीज बन रहे हैं। पिछले एक साल में करीब 350 नए रोगी सामने आए हैं। राज्य में वर्तमान में कुल उपचाराधीन एचआईवी पॉजिटिव मरीजों की संख्या 350 हो गई है।

कुल उपचाराधीन रोगियों की संख्या 5132 हो चुकी है। यह मरीज प्रदेश भर में 56 आईसीटीई केंद्रों की निगरानी में हैं। हर साल हिमाचल प्रदेश में 350 से 400 के लगभग नए एचआईवी पॉजिटिव मरीज सामने आ रहे हैं। इस बार भी 350 एचआईवी पॉजिटिव रोगी पंजीकृत किए हैं। इनमें चालक, इंट्रावीनस ड्रग्स इस्तेमाल करने वाले नशेड़ी, यौन कर्मी, कुछ टीबी मरीज, कुछ गर्भवती महिलाएं, ट्रांसजेंडर आदि भी शामिल हैं। सबसे ज्यादा एचआईवी

पॉजिटिव एड्स रोगी कांगड़ा में 1360 हैं।

उसके बाद हमीरपुर में 1011 हैं और तीसरे स्थान पर मंडी में 639 हैं। 164 गैर हिमाचली भी राज्य में एचआईवी पॉजिटिव हैं। राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के परियोजना निदेशक एवं निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. गोपाल बेरी ने बताया कि एड्स के अधिकतर मरीज दवाएं खाते हुए सामान्य जीवन जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि एड्स न तो साथ रहने से फैलता है और न ही यह हाथ मिलाने से ही होता है। आम लोगों से भी उनकी अपील है कि वे एचआईवी पॉजिटिव मरीजों से घृणा न करें।

सड़क हादसे में तीन दोस्तों की मौत

» रिश्तेदारी से घर लौट रहे थे तीनों बाइक सवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरोहा। अमरोहा का मंडी धनौरा थाना इलाके में देर रात शेरपुर मार्ग पर स्थित गांव खावडी के निकट एक तेज रफ्तार बाईक सड़क किनारे खड़े पेड़ से जा टकराई। दुर्घटना में बाईक सवार तीनों दोस्तों की मौत हो गई। हादसे के बाद चीख पुकार की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

तीनों युवकों को धनौरा सीएचसी लाया गया। चिकित्सक ने तीनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने तीनों युवकों के शवों को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। तीनों युवक बिजनौर जनपद के चांदपुर इलाके के रहने वाले थे। जानकारी के मुताबिक जनपद बिजनौर के थाना चांदपुर इलाके के गांव सहानिया निवासी 38 वर्षीय

सुभाष अपने दोस्त 40 वर्षीय मुन्नू और 42 वर्षीय संदीप उर्फ संजू को साथ लेकर बाइक से धनौरा थाना इलाके के गांव पत्थर कुटी स्थित अपनी रिश्तेदारी में आया था। यहां से तीनों दोस्त देर रात अपने गांव लौट रहे थे। जैसे ही इनकी बाईक शेरपुर मार्ग पर गांव खावडी के पास पहुंची।संतुलन बिगडने से सड़क किनारे खड़े पेड़ में जा टकराई। हादसे के बाद आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े और घटना की सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों को धनौरा सीएचसी भिजवाया। जहां चिकित्सक ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

रोडवेज बस ने तीन मॉर्निंग वॉकर्स को रौंदा, एक की मौत

जौनपुर। बक्सा थाना क्षेत्र के लखनीपुर गांव के पास वाराणसी- लखनऊ हाईवे पर बृहस्पतिवार की सुबह करीब छह बजे एक रोडवेज बस ने तीन लोगों को रौंद दिया। इस हादसे में एक की मौत हो गई जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों के मुताबिक खुशालपुर निवासी गुणवान (28) व रोहित उर्फ साहुल यादव (30) वाराणसी जाने के लिए घर से निकले थे। स?क पर वाहन का इंतजार कर रहे थे इसी दौरान लखनऊ की ओर से आ रही रोडवेज बस ने पुलिया में टक्कर मारते हुए दोनों को रौंद दी। मॉर्निंग वॉक पर निकले चुरावनपुर निवासी मनोज सिंह को भी रौंद दिया। इस हादसे में साहुल यादव की मौके पर ही मौत हो गई। अन्य दोनों घायलों को ग्रामीणों ने पास के अस्पताल में भर्ती कराया है।

मुकदमा दर्ज होने के बाद दो दिन लखनऊ-कानपुर रहे इरफान, फिर भी नहीं पकड़ सकी यूपी पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। कानपुर में एफआईआर दर्ज होने के बाद इरफान को गिरफ्तारी की भनक लग गई थी। इसलिए 24 घंटे के भीतर वह अंडरग्राउंड हो गया था। शहर से दिल्ली, दिल्ली से मुंबई और फिर हैदराबाद पहुंचने में उसको पांच दिन का समय लगा। इसलिए दौरान उसने कई अलग-अलग नए सिमों व मोबाइल का इस्तेमाल किया।

सर्विलांस की टीम की जांच में यह तथ्य सामने आया है। हैदराबाद छोड़ने के बाद से उसने मोबाइल का इस्तेमाल नहीं किया है। हैदराबाद में उसको एक चैनलकर्मी ने शरण दी थी। इरफान सोलंकी पर आठ नवंबर की रात एफआईआर दर्ज हुई थी। केस दर्ज होने के चंद घंटे बाद ही इरफान ने शहर छोड़ दिया था। दूसरे दिन वह लखनऊ में थे। फिर वह वापस कानपुर आए और दस नवंबर को यहां से नोएडा

रवाना हुए। यानी केस दर्ज होने के बाद दो दिनों तक इरफान लखनऊ व कानपुर में ही रहे। इस दौरान पुलिस उन तक पहुंच नहीं सकी।

पैरवी में जुटे नामचीन, हाजिर होने की रही सुगबुगाहट

इरफान के परिजनों से पुलिस पूछताछ कर रही है। इरफान पर दूसरा केस भी दर्ज हो गया है। पुलिस लगातार शिकंजा कसती जा रही है। इसको देखते हुए उसके कई बड़े नामचीन लोगों ने पुलिस के उच्चाधिकारियों से संपर्क किया। जानकारी के मुताबिक वह डील करने का प्रयास कर रहे हैं कि इरफान की कथित तौर पर गिरफ्तारी करवा देंगे।

घर पर आकर बनाया था फर्जी आधार कार्ड

पुलिस के मुताबिक कर्नलगंज निवासी इरफान के एक परिचित ने फर्जी आधार बनाया है। इसमें नामजद आरोपी अली की भी भूमिका है। मुख्य आरोपी का नाम भी केस में बढ़ाया जाएगा। जब इरफान नूरी शौकत के घर पर थे, तब ये वहां पहुंचे थे। नूरी के घर पर ही दोनों ने मिलकर इरफान के फर्जी दस्तावेज तैयार किए थे।

राजस्थान में रिजवान के होने की आशंका

अब की जांच में सामने आया है कि रिजवान, इरफान के साथ नहीं गया। यानी दोनों अलग-अलग फरार हुए हैं। रिजवान कैसे कहां गया, इसकी पुख्ता जानकारी पुलिस के पास नहीं है। एक तथ्य सामने आया है कि रिजवान राजस्थान में हो सकता है। इसलिए एक टीम राजस्थान भी रवाना हुई है।

राहुल गांधी के नेतृत्व में उज्जैन से फिर शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा

स्वरा भास्कर समेत कई नेताओं ने की शिरकत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उज्जैन। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का आज मध्य प्रदेश में नौवां दिन है। यात्रा के 9वें दिन कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा उज्जैन से शुरु हुई। बता दें कि भारत जोड़ो यात्रा देश के कई राज्यों से होकर गुजर चुकी है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा एक दिन के ब्रेक के बाद गुरुवार सुबह उज्जैन से शुरू हुई। उज्जैन से भारत जोड़ो यात्रा मध्य प्रदेश के आखिरी जिले आगर मालवा के लिए रवाना हुई। इस दौरान राहुल गांधी के अभिनेत्री स्वरा भास्कर भी मौजूद रहीं।

दरअसल, मध्य प्रदेश में आज कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का 9वां दिन है। सुबह 6 बजे मध्य प्रदेश के उज्जैन के आरडी मेडिकल कॉलेज से कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा शुरू हुई। इस यात्रा में उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, राज्यसभा सदस्य दिग्विजय

सिंह, पूर्व सांसद प्रेम चंद गुड्डू, अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष शोभा ओझा और अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने शिरकत की।

झालारा गांव में रात भर रुकेंगे पद यात्रा में शामिल लोग

बता दें कि भारत जोड़ो यात्रा आज सुबह नजरपुर गांव में विश्राम के लिए रुकी इसके बाद यात्रा दोपहर बाद घाटिया बस स्टैंड से फिर से शुरू हो गयी। पार्टी सूत्रों ने कहा कि पैदल मार्च में भाग लेने वाले झालारा गांव में रात भर रुकेंगे। यात्रा 12 दिनों के भीतर पश्चिमी मध्य प्रदेश के राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मालवा-निमाड़ क्षेत्र में 380 किमी की दूरी तय करेगी।

4 दिसंबर को राजस्थान में प्रवेश करेगी यात्रा

बता दें कि भाजपा शासित राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। कांग्रेस द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार, यात्रा 4 दिसंबर को मध्य प्रदेश से राजस्थान में प्रवेश करेगी। राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा ने 23 नवंबर को महाराष्ट्र से मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले में प्रवेश किया था। यह यात्रा अब तक मध्य प्रदेश के बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन और इंदौर जिलों से होकर गुजरी है।

राहुल गांधी ने यात्रा के दौरान किए महाकाल बाबा के दर्शन

उल्लेखनीय है कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने उज्जैन में देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक महाकाल बाबा के दर्शन किए थे। इससे पहले उन्होंने खंडवा जिले के एक अन्य ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर मंदिर में भी पूजा-अर्चना की थी।

फोटो : 4पीएम

उद्घाटन हुसैनगंज स्थित लालकुआं ओवर ब्रिज की शुरुआत में नगर निगम द्वारा बनाई गई नेकी की दीवार का उद्घाटन करने पहुंचे नगर विकास मंत्री एके शर्मा, मेयर संयुक्ता भाटिया।

अब यूपी डीजीपी को लापता इंस्पेक्टर नीशू तोमर का बताना होगा ठिकाना!

» हाईकोर्ट ने यूपी डीजीपी को सात दिसंबर को किया तलब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुलतानपुर । महिला सिपाही से रेप केस में पुलिस हिरासत में लिए गए आरोपित इंस्पेक्टर नीशू तोमर के फरार होने के मामले में हाईकोर्ट ने डीजीपी यूपी को तलब किया है। अब डीजीपी को बताना होगा कि आखिरकार लापता आरोपी इंक्पेक्टर है कहां।

महिला थाने से पुलिस हिरासत में लिए गये आरोपी इंस्पेक्टर के फरार होने की जब मीडिया ने प्रमुखता से खबरें चलाई तो आनन फानन में सुलतानपुर पुलिस ने मामले

रेप का आरोपी इंस्पेक्टर नीशू तोमर

की जांच की और यहीं से शुरू हुआ मैनेजमेंट का खेल ।

सुलतानपुर के नये पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा को जांचकर्ताओं द्वारा जमकर गुमराह किया गया और सही तथ्यों की जानकारी ना देते हुए भ्रामक तथ्यों की जांच रिपोर्ट दे दी गयी। जिसमें कहा गया कि आरोपी इंस्पेक्टर को पूछताछ के लिए महिला थाने पर बुलाया गया था, पूछताछ के बाद आरोपी नीशू को जाने दिया गया। सुलतानपुर पुलिस ने अपनी सोशल मीडिया सेल से इंस्पेक्टर नीशू के फरार होने का खंडन किया। लेकिन पुलिस को यह दांव भी उल्टा पड़ गया। क्योंकि जब महिला थाने की पुलिस आरोपी इंस्पेक्टर नीशू तोमर को दीवानी न्यायालय के समीप दौड़ा कर पकड़ रही थी, ये वीडियो जमकर वायरल हो गया। 69 दिन से लापता इंस्पेक्टर नीशू तोमर से जुड़े मामले में हाईकोर्ट के जस्टिस रमेश सिन्हा व रेणु अग्रवाल की बेंच ने सख्त रुख अख्तियार करते हुए डीजीपी उत्तर प्रदेश को सात दिसम्बर को तलब किया है।

तेलंगाना के सीएम केसीआर की बेटी कविता का केंद्र सरकार पर हमला

चुनावी राज्य में मोदी से पहले पहुंच जाती है ईडी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाले का मामला अब राजधानी से निकलकर तेलंगाना तक पहुंच गया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर की बेटी और एमएलसी कविता का तथाकथित दिल्ली शराब घोटाला मामले में नाम सामने आया है। घोटाले में नाम आने के बाद कविता ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर जमकर हमला किया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि जहां भी चुनाव होना होता है, ईडी उन राज्यों में मोदी से पहले पहुंच जाती है।

कविता ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर आरोप लगाया है कि पिछले 8 सालों में बीजेपी ने 9 राज्यों में बिना चुनाव जीते ही वहां की सरकार को गिराकर, लोकतंत्र को ताक में रखकर अपनी सरकार बना ली है।कविता ने एक तेलुगु ट्वीट में शर्मिला और बीजेपी पर परोक्ष हमला किया और इशारा किया कि इसके पीछे बीजेपी है। अविभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई एस राजशेखर रेड्डी की बेटी शर्मिला ने तेलुगु में एक ट्वीट के साथ इसी अंदाज में कविता को जवाब दिया। वाईएसआरटीपी अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि टीआरएस और कविता ने पदों को महत्व दिया लेकिन लोगों की समस्याओं को नहीं समझा और लोगों से किए गए वादों को लागू नहीं किया।

जेल में डालना चाहते हैं तो डाल दें: कविता

एमएलसी कविता ने यह भी आरोप लगाया है कि जहां भी चुनाव होने वाला होता है, उन राज्यों में प्रवर्तन निदेशालय पीएम मोदी से पहले ही पहुंच जाता है। तेलंगाना में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाला है, और उनके आने के पहले ही ईडी पहुंच चुकी है। कविता ने यह भी कहा कि ईडी का हम स्वागत करते हैं, वे हमें जेल में डालना चाहते हैं तो डाल लें, लेकिन हम नहीं डरेंगे। बीजेपी और टीआरएस के बीच लंबे समय से टकराव चल रहा है। दिल्ली के तथाकथित शराब घोटाला मामले में मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी कविता का नाम आया है, जिस पर बीजेपी उन्हें घेर रही है। इस पर कविता ने मीडिया से बात करते हुए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और ईडी पर हमला किया, उन्होंने ये भी कहा कि ईडी सीधे हमसे जो भी पूछेगी हम जवाब देने को तैयार हैं। इस तरह मीडिया के द्वारा कागजात और जानकारी लीक करके अगर वे सोच रहे हैं कि मुझे बदनाम करेंगे तो इससे हम डरने वाले नहीं है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।